

Title: Need to enhance the Minimum Support Price of paddy in the Country.

प्रो. महादेवराव शिवनकर (चिमूर): महोदय, सरकार ने गेहूँ का दाम एक हजार रुपये प्रति विन्टल निर्धारित किया और उससे पहले दो सौ रुपये प्रति विन्टल बोनस दिया। लेकिन इस देश में धान उत्पादकों को सरकार से निराश होना पड़ा। आंध्र प्रदेश, पंजाब और महाराष्ट्र के धान उत्पादक विशेष रूप से आत्महत्याएं कर रहे हैं क्योंकि धान का लागत खर्च गेहूँ से भी ज्यादा है। इससे पहले गेहूँ का मिनिमम सपोर्ट प्राइस धान से कम होता था। मगर गत दो वर्षों में धान की कीमत बहुत कम हो गई और गेहूँ की कीमत बहुत ज्यादा बढ़ गई। गेहूँ उत्पादकों को दिया गया, उससे हमारे मन में कोई रोष नहीं है, मगर धान उत्पादन करना आज घाटे का सौदा है, इसलिए धान उत्पादकों को लागत के आधार पर मूल्य दिया जाए। इसलिए मैंने तीन सुझाव दिए हैं - (1) धान उत्पादकों का समर्थन मूल्य प्रति विन्टल एक हजार रुपये करें। (2) जब तक धान का समर्थन मूल्य एक हजार रुपये नहीं किया जाता, तब तक गेहूँ के समान धान को सौ रुपये, दो सौ रुपये प्रति विन्टल सरकार बोनस दे। अभी सरकार ने बोनस के रूप में दो बार पचास, पचास रुपये बढ़ाए हैं, मतलब सौ रुपये बढ़ाए हैं। इसके कारण तीव्र असंतोष है। मेरा सरकार से आग्रह है कि कम से कम दो सौ रुपये प्रति विन्टल बोनस दिया जाए। (3) धान उत्पादक किसान आत्महत्याएं कर रहे हैं। इसलिए उन किसानों का सम्पूर्ण कर्ज माफ करें, विशेष रूप से महाराष्ट्र के विदर्भ इलाके में किसानों का सम्पूर्ण कर्ज माफ करने की आवश्यकता है, क्योंकि वहां पर किसान बड़े पैमाने पर कर्ज से लदे हुए हैं। इन मांगों के लिए धान उत्पादकों ने जतूस निकाले, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, पंजाब में आन्दोलन हुए, राज्य बंद करने की मांग हुई। इसलिए केन्द्र सरकार धान उत्पादक किसानों की समस्याओं पर सख्तानुभूतिपूर्वक विचार करे और दो सौ रुपये प्रति विन्टल बोनस शीघ्र घोषित करे।[\[N42\]](#)